आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 11.10.2024 समय : 1905

<><><><><><><><>

- पर्यावरण और वन विभाग की ओर से समुद्र और तटों की साफ–सफाई के लिए मिशन एक लाख निर्धारित किया गया है।
- नगरपालिका परिषद और अंडमान लोक निर्माण विभाग सड़क निर्माण परियोजनाओं में प्लास्टिक कचरे के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है।
- पूरे देश के साथ द्वीपसमूह में भी दुर्गा पूजा का पर्व धार्मिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
- आज अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस है।
- डिगलीपुर शैक्षिक अंचल के शिक्षकों के लिए कल पहल प्लस पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

पर्यावरण और वन विभाग की ओर से समुद्र और तटों की साफ–सफाई के लिए मिशन एक लाख निर्धारित किया गया है। विभाग के वन्य प्राणी संभाग के उप–वन संरक्षक संदीप बेहरा ने आकाशवाणी समाचार के साथ बातचीत में बताया कि इसके तहत अगले बारह महीनों के दौरान एक सौ तटों की सफाई की जाएगी और एक लाख किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र किए जाएंगे।

<><><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद और अंडमान लोक निर्माण विभाग ने सतत विकास और बेहतर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सड़क निर्माण परियोजनाओं में प्लास्टिक कचरे के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। मुख्य सचिव केशव चंद्र के निर्देशों के तहत अंतर–विभागीय समन्वय के माध्यम से इस पहल का सफल कार्यान्वयन किया जा रहा है। हाल ही में ब्रुक्शाबाद के मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी के दौरे के दौरान, दोनों विभागों ने सड़क निर्माण के कार्य में प्लास्टिक कचरे के उपयोग की संभावना का पता लगाया। यह संयुक्त प्रयास न केवल प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रभावी समाधान प्रदान करेगा, बल्कि द्वीपों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। यह परिवर्तन प्रक्रिया प्लास्टिक को एक मूल्यवान संसाधन में बदल देती है जिससे सड़कें अधिक टिकाऊ

बनेगी। इससे प्लास्टिक कचरे की मात्रा को कम किया जा सकता है। परिषद ने द्वीपों में पर्यावरणीय लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अंडमान लोक निर्माण विभाग की अतिरिक्त सड़क निर्माण परियोजनाओं में प्लास्टिक के उपयोग का विस्तार करने की योजना बनाई है। परिषद के सचिव अमित काले ने सड़क कार्यों में प्लास्टिक के पुनः उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल प्लास्टिक कचरा कम होता है, बल्कि सड़कें मजबूत भी होती हैं, जो प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रदान करता है।

<><><><><><><><>

पूरे देश के साथ द्वीपसमूह में भी दुर्गा पूजा का पर्व धार्मिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। शारदीय नवरात्र अनुष्ठान में आज महाअष्टमी और महानवमी पर मॉ दुर्गा के स्वरूप महागौरी तथा सिद्धिदात्री की पूजा की जा रही है। इस अवसर पर पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ कन्या पूजन भी किया गया। द्वीपसमूह के विभिन्न पूजा पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जहां भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। आज अतुल स्मृति समिति के अलावा कई अन्य पूजा पंडालों में पुष्पांजलि के बाद महाभोग की व्यवस्था की गई। बंगाली क्लब में कल डांडिया का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दुर्गा पूजा के अवसर पर देश–विदेश के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की जीत और साहस का प्रतीक है। यह पर्व देवी दुर्गा के प्रति पूर्ण समर्पण तथा सभी धर्मो के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने का अवसर है। उन्होंने मां दुर्गा से एक ऐसे संवेदनशील और समतामूलक समाज के सृजन की कामना की, जिसमें महिलाओं को समुचित आदर और सम्मान मिले।

<><><><><><><><>

अंडमान महिला मंडल की ओर से डॉलीगंज के उल्लास वृद्धाश्रम में आज दुर्गा पूजा मनाई गई। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा प्रमिला कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि दुर्गा पूजा एकता का त्योहार है और इसे वृद्धाश्रम के सदस्यों के साथ मनाना गर्व की बात है।

<><><><><><><><>

आज अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस है। यह दिवस दुनियांभर में लड़कियों की लैंगिक समानता, शिक्षा और अवसरों के महत्व को रेखांकित करता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस, लड़कियों को सशक्त बनाने और उनके मानवाधिकारों को सुरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। यह दिन दुनियाभर में एक ऐसा माहौल बनाने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है, जहां लड़कियां समाज में आगे

बढ सकें, अपने भविष्य का नेतृत्व कर सकें और उसे आकार दे सकें। भारत सरकार ने लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए बेटी बचाओ–बेटी पढाओ, उड़ान और सुकन्या समृद्धि योजना जैसे कई कदम उठाए हैं। किशोर न्याय अधिनियम–दो हजार पन्द्रह बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है। लड़कियों के भविष्य में निवेश, वैश्विक समाज के सामूहिक भविष्य में प्रत्यक्ष निवेश है।

<><><><><><><>

डिगलीपुर शैक्षिक अंचल के शिक्षकों के लिए कल पहल प्लस पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा सदन के सहयोग से डिगलीपुर के उप–शिक्षा अधिकारी के कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पहल प्लस पोर्टल के महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना था। पहल प्लस छात्रों के सीखने के परिणामों तक पहुंचने और निगरानी करने के लिए विशेष उपकरण डिजाइन करने के लिए सर्वोत्तम अभ्यास माना जाता है। इस अवसर पर क्षेत्र की उप–शिक्षा अधिकारी सुलोचना मुख्य अतिथि थी। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों से हेल्प डेस्क के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपना सहयोग देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मौजूद स्रोत विशेषज्ञों ने छात्रों के प्रदर्शन की निरंतर निगरानी, मूल्यांकन, समय पर और जरूरत के अनुसार सुधारात्मक हस्तक्षेप, शिक्षकों और अभिभावकों की भागीदारी तथा प्रगति मूल्यांकन पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में एक सौ चालीस से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय खनिज नीति में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम को उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत खनिज संसाधनों के निष्कर्षण में सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, गति और दक्षता के महत्व को पहचानते हुए धातुओं का अनुसंधान के क्षेत्र में उपयोग किया जा रहा है। भारत सरकार का खान मंत्रालय एस एंड टी कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में शोध संस्थानों को अनुदान सहायता प्रदान कर रहा है। मंत्रालय खनिज प्रसंस्करण और रिसाइक्लिंग में स्टार्टअप और एम एस एम ई में अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है, ताकि खनिज क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों को अनुसंधान और नवाचार के लिए धन मुहैया कराया जा सके। मंत्रालय ने एस एंड टी–प्रिज्म के तहत खनन, खनिज प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण क्षेत्र में शामिल होने और परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए द्वीपसमूह में भी स्टार्टअप, एम एस एम ई और व्यक्तिगत लोगों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। अधिक जानकारी मंत्रालय के सत्यभामा पोर्टल पर उपलब्ध है।

<><><><><><><>

वाई जे आर सेवा फाउंडेशन की ओर से कल पिलार स्वास्थ्य केन्द्र और जी बी पंत अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसके अलावा वनवासी कल्याण आश्रम में भोजन की भी व्यवस्था की गई।

<><><><><><><>